खाद्य सुरक्षा में प्रौद्योगिकी की बढ़ी भूमिका

सीआईएमपी

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में आयोजित हुआ पहला राष्ट्रीय कृषि प्रौद्योगिकी और प्रबंधन सम्मेलन

पटना, मुख्य संवाददाता। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना में पहला राष्ट्रीय कृषि प्रौद्योगिकी और प्रबंधन सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. (डॉ.) राणा सिंह के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने नीति आयोग और बिहार सरकार के योजना और विकास विभाग को सीआईएमपी को राज्य योजना के लिए प्रमुख ज्ञान संस्थान के रूप में नामित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने बिहार में कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया। प्रौद्योगिकी के माध्यम से पशुपालन प्रबंधन, सिंचाई, कीट नियंत्रण और ड्रोन प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि योजना और विकास विभाग के प्रधान सचिव डॉ. के सेंथिल कुमार ने कृषि के महत्व और भारत की बढ़ती जनसंख्या के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया और प्रौद्योगिकी को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन बताया।

कृषि विभाग के विशेष सचिव डॉ. बीरेन्द्र प्रसाद यादव ने प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और कृषि के एकीकरण पर बात की और बायोमास-सौर ऊर्जा का उदाहरण दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन का सामना करने और कृषि दक्षता बढ़ाने में प्रबंधन की भूमिका पर जोर दिया। आईसीएआर-आरसीएआर पटना के निदेशक डॉ. अनुप दास, डॉ. आशुतोष उपाध्याय, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी भावना ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मौके पर सीआईएमपी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार नेहा गुप्ता, वी. शन्मुगैया, और आनंद निगोजकर को प्रदान किया गया। दूसरा सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार डॉ. प्रीति झा को दिया गया। सम्मेलन का समापन प्रो. (डॉ.) राणा सिंह के समापन भाषण, प्रमाण पत्र वितरण और प्रो. (डॉ.) विजया बंद्योपाध्याय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

Hindustan !Page.No-12 ! Dated:17-11-2024

खबरें एक नजर में

सीआईएमपी : सम्मेलन में बढ़ती जनसंख्या के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर

पटना। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआईएमपी) द्वारा पहला राष्ट्रीय कृषि प्रौद्योगिकी और प्रबंधन सम्मेलन का आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में डॉ. के सेंथिल कुमार, आईएएस, प्रधान संचिव, योजना और विकास विभाग, डॉ बीरेंद्र प्रसाद यादव, आईएएस, विशेष सचिव, कृषि विभाग, डॉ. अनुप दास, निदेशक, आईसीएआर-आरसीईआर, पटना, डॉ. अशुतोष उपाध्याय, कार्यवाहक निदेशक और प्रमुख, भूमि और जल प्रबंधन, आईसीएआर-आरसीईआर, पटना और डॉ पी भावना, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर रांची ने भाग लिया। आयोजन समिति में डॉ. राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी (संरक्षक), प्रो. विजया बंद्योपाध्याय, अध्यक्षय प्रो. अंकित शर्मा, सह अध्यक्षय और कुमोद कुमार, सीएओ, सीआईएमपी (संयोजक) शामिल थे। प्रो. राणा ने नीति आयोग और बिहार सरकार के योजना और विकास विभाग को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बिहार में कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया। प्रौद्योगिकी के माध्यम से पशुपालन प्रबंधन, सिंचाई, कीट नियंत्रण और ड्रोन प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. सेंथिल कुमार ने कृषि के महत्व और भारत की बढ़ती जनसंख्या के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया। प्रौद्योगिकी को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन बताया। डॉ. बीरेंद्र प्रसाद यादव ने प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और कृषि के एकीकरण पर बात की।

Rashtriya Sahara !Page.No-3
Dated:17-11-2024